One Day Multi-Disciplinary National Seminar on

Rural Development: Possibilities and Challenges in the Present Perspective

on

January 29th, 2023

Sponsored by
Department of Higher Education, Govt. of Chhattisgarh
&
NABARD, Chhattisgarh Regional Office

Organized by
Department of Economics & IQAC
Govt. Rani Durgawati College, Wadrafnagar,
Dist. Balrampur (C.G.)

Seminar Report

Submitted to
NABARD, Chhattisgarh Regional Office

Submitted by
Department of Economics & IQAC
Govt. Rani Durgawati College, Wadrafnagar,
Dist. Balrampur (C.G.)

Principal
Govt. Degree Collage
Wadrafnagar, Balrampur (C.G.)

दिनांक 29/01/2022 को शासकीय रानी दुर्गावती महाविद्यालय वाड्रफनगर, जिला– बलरामपुर (छ0ग0) में अर्थशास्त्र विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी. के संयुक्त तत्वाधान में नाबार्ड छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर एवं उच्च शिक्षा विभाग, छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रायोजित एक दिवसीय बहु विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका विषयवस्तु **''ग्रामीण विकास : वर्तमान परिपेक्ष्य में संभावनाएँ और चुनौतियाँ''** थी। महाविद्यालय के स्थापना (1989) के पश्चात्, पहली बार इस महाविद्यालय में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जो हमारे लिये गर्व एवं हर्ष का विषय है। उच्च शिक्षा विभाग (छ0ग0), नाबार्ड छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर एवं महाविद्यालयीन जनभागीदारी समिति द्वारा प्राप्त आर्थिक सहयोग का इस संगोष्ठी को सफल बनाने मे बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रहा है।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय प्रयागराज (उ0प्र0) के डॉ. पी.के. घोष, (अर्थशास्त्र), जी.बी. पन्त संस्थान इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज के प्रो० के.एन. भट्ट एवं पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो० आर.के. ब्रह्मे मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। प्रायोजकों मे से नाबार्ड छत्तीसगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय रायपुर की तरफ से श्री एस. मुदुली (डी. डी.एम. सरगुजा) एवं छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग की तरफ से प्रोफेसर एस.एन. पाण्डेय इस संगोष्ठी मे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

इस राष्ट्रीय संगोष्ठी मे राज्य तथा राज्य के बाहर से लगभग 148 प्रतिभागियों ने पंजीयन कराया साथ ही साथ हमारे महाविद्यालय के 30 विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से इस संगोष्ठी मे अपनी सहभागीता प्रस्तुत की, 29 जनवरी 2023 को होने वाले इस राष्ट्रीय संगोष्ठी के वक्ता एवं प्रतिभागियों का एक दिन पहले ही वाड्रफनगर में आगमन शुरू हो गया था। संगोष्ठी के दिन सभी प्रतिभागी सुबह के भोजन लेने के पश्चात् महाविद्यालय के सेमिनार हॉल में एकत्रित हुए। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्जवलन, मंगलाचरण तथा सरस्वती वंदना से किया गया तथा महाविद्यालय के प्राचार्य श्री सुधीर कुमार सिंह द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी में आये सभी अतिथियों, सहायक प्राध्यापकों, कई राज्यों से आये शोधार्थियों एवं छात्र–छात्राओं का स्वागत किया गया। उन्होनें अपने वक्तव्य में इस संगोष्ठी और उसके विषय वस्तु के महत्व तथा इस सुदूर आदिवासी अंचल क्षेत्र में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन करने से ग्रामीण विकास को होने वाले लाभ को बताया और कहा की यह संगोष्ठी इस अंचल के ग्रामीणों के विकास को एक नई दिशा मिलेगी एवं आजादी के अमृत महोत्सव में आज गाँव कहा है जिसे 75 वर्ष पूर्व अंग्रेजों की शोषणकारी नीतियों ने गरीबी, भूखमरी, अशिक्षा एवं बिमारी मे छोड़कर चले गये थे, इस पर भी चर्चा की।

प्रथम सत्र

- मुख्य वक्ता – प्रो० पी.के. घोष
- अध्यक्ष – डॉ. एस.एन. पाण्डेय
- सहअध्यक्ष – श्री विनीत गुप्ता

संगोष्ठी के प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय के प्रो० पी.के. घोष ने ग्रामीण विकास में ''सौर ऊर्जा'' के महत्व के बारे में बड़े ही सारगर्भित तरीके से बताया और कहा सूर्य ही पृथ्वी का अक्षय ऊर्जा स्रोत है। जिन्होंने गुजरात के गाँव मुदैरा की चर्चा भी की और बताया कि भारत का पहला पूर्ण रूप से सौर ऊर्जा वाला गाँव बना है। धीरे–धीरे गुरुग्राम से विश्वगुरू की और भारत निरंतर बढ़ रहा है। सौर ऊर्जा के महत्व तथा उसके क्या–क्या लाभ है पर्यावरण, स्वास्थ्य तथा सामाजिक–आर्थिक दृष्टि से देश तथा व्यक्ति के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। भारत सरकार द्वारा चलाये गये पंचामृत योजना, सोलर

Principal
Govt. Degree Collage
Wadrafnagar, Balrampur (C.G.)

चरखा मिशन के लक्ष्य और उद्देश्य के बारे में भी बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राजीव गाँधी पी. जी. कॉलेज अम्बिकापुर से डॉ. एस.एन. पाण्डेय ने ग्रामीण संसाधनों के उपयोग तथा शिक्षा से ही सर्वांगीण विकास होने के बारे में बताया और कहा यदि गाँव का विकास होगा तभी पूरे भारत देश का विकास संभव है। प्रथम सत्र के मुख्य अतिथि तथा अध्यक्ष को स्मृति चिन्ह एवं अंगवस्त्र भेंट कर प्राचार्य द्वारा सम्मानित किया गया।

द्वितीय सत्र

- मुख्य वक्ता – प्रो० के.एन. भट्ट
- अध्यक्ष – डॉ. आर.बी. सोनवानी
- सहअध्यक्ष – डॉ. रश्मी पाण्डेय

द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित गोविंद बल्लभ पंत संस्थान इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रो० के.एन. भट्ट ने संयुक्त राष्ट्र के अंतर्राष्ट्रिय मिलेट्स वर्ष (2023) के तारतम्य मे ग्रामीण विकास में मोटे अनाज के महत्व पर प्रकाश डाला तथा उन्होंने विभिन्न प्रकार के मोटे अनाज जैसे बाजरा, रागी, कुटकी, सांवा, ज्वार, कोदो आदि के राज्यवार नाम का उल्लेख किया तथा 'रागी' (मडुआ) फसल के उत्पादन, क्षमता एवं पर्यावरण के अनुकूल तथा उसके उत्पत्ति के बारे में बड़े ही सार्थक ढंग से बताया कि मोटे अनाज के सेवन से स्वास्थ्य अच्छा रहता है तथा वर्तमान में फास्ट फूड के सेवन से स्वास्थ्य पर क्या दुष्प्रभाव है इसके बारे में बताया। रागी फसल का अन्य देशों और राज्यों मे क्या–क्या नाम है उसके बारे में शोध पूर्ण ढंग से बताया। दूसरे सत्र की अध्यक्षता कर रहे शासकीय लरंगसाय पी.जी. कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आर. बी. सोनवानी ने इस आदिवासी क्षेत्र की उर्वरता में रागी फसल पैदा करने के लिए सभी लोगों को प्रेरित किया। मिलेट्य पर आधारित इस व्याख्यान को प्रतिभागियों एवं उपस्थित लोगों ने खूब सराहना की तथा मिलेट्स के उत्पादन की दिशा में कार्य करने की उत्सुकता एवं रागी (मडुआ) के विभिन्न व्यंजन अनाकर छात्रों की प्रेरित करने की बात की गई। सह अध्यक्षता कर रही डॉ० रश्मि पाण्डेय ने शिक्षा को ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण अंग माना। इस सत्र का संचालन कर रहे श्री शिवनन्दन शुक्ल ने सभी अतिथि वक्ताओं को धन्यवाद ज्ञापित किये तथा कहा कि आपके राष्ट्रीय संगोष्ठी में आने से इस क्षेत्र का आवश्य ही विकास होगा तथा सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह अंगवस्त्र देकर सम्मानित भी किया गया।

तृतीय सत्र

- मुख्य वक्ता – प्रो० आर.के. ब्रह्मे
- अध्यक्ष – डॉ. पुनित राय
- सहअध्यक्ष – सुश्री निलिमा एक्का

राष्ट्रीय संगोष्ठी के तीसरे सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में आये पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के प्रोफेसर आर.के. ब्रह्मे ने अपने व्याख्यान में छत्तीसगढ़ के ग्रामीण विकास में प्रमुख योजनाओं के महत्व पर प्रकाश डाला और बताया कि सुराजी ग्राम योजना तथा नरवा, गरूवा, घुरवा, बाड़ी योजना को वृहद ढंग से बताया और कहा कि भारत की आत्मा गाँव में बसती है। छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण, पशुधन की समृद्धि, गौठान का निर्माण, गोबर से खाद का निर्माण तथा छोटे–छोटे उद्यानों को विकसित करना योजनाओं का प्रमुख लक्ष्य है। प्रो. ब्रह्मे ने बताया कि सरकार छत्तीसगढ़ के ग्रामीण क्षेत्रों मे "रूरल इंडस्ट्रीयल पार्क" भी स्थापित कर रहे हैं तथा गाँवों के लोगों को रोजगार के लिए कही बाहर न जाना पड़े इसलिए लघु कुटीर उद्योगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। सत्र की अध्यक्षता कर रहे डॉ. पुनीत राय ने ग्रामीण विकास में

Principal
Govt. Degree Collage
Wadrafnagar, Balrampur-(C.G.)

हिन्दी के विभिन्न साहित्यकारों के योगदान तथा उनकी रचनाओं मे ग्रामीण विकास की समस्याओं पर बात रखी। इस सत्र में आये विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया। कोरबा से आये सहायक प्राध्यापक श्री मनहरण अनंत ने तेन्दूपत्ता के संग्रहण, संवर्धन एवं महाविद्यालय की छात्रा योगमाया बी.ए. तृतीय वर्ष ने 'जनजातियों के विकास' पर अपना शोधपत्र प्रस्तुत किया। तृतीय सत्र के सभी अतिथि वक्ताओं का धन्यवाद ज्ञापन डॉ. बलराम साहू के द्वारा किया गया।

चतुर्थ सत्र

- अध्यक्ष – प्रो० पी.के. घोष
- सहअध्यक्ष – प्रो० के.एन. भट्ट

इस सत्र की अध्यक्षता एवं सह अध्यक्षता क्रमशः प्रो० पी.के. घोष एवं प्रो० के.एन. भट्ट ने किया। संगोष्ठी के इस सत्र में राज्य एवं राज्य के बाहर से आये प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये। कुछ प्रतिभागी जो किन्हीं कारणों से इस संगोष्ठी मे उपस्थित नहीं हो पाये उन्होने ऑनलाईन के माध्यम से संगोष्ठी में अपनी सहभागिता दी। इस सत्र मे संगोष्ठी की विषय वस्तु पर आधारित अपने शोध कार्य को प्रदर्शित करने वाले प्रतिभागी निम्नानुसार है –

No.	AUTHOR/S	TITLE
01	अनिल कुमार	भारत में खाद्य सुरक्षा की दशा एवं दिशा : एक आर्थिक विश्लेषण
02	Balram Sahu and Laxmipriya Pradhan	Organic farming: a sustainable approach of agriculture
03	Sudhir Kumar Singh	Rural development scheme In Chhattisgarh
04	Archana Uraon, S.N. Jha, Mukesh Kemro	Role Entrepreneurship Development Programme: Impact on Socio-economic Development of India
05	Toyaj Shukla and Shivnandan Shukla	Side effects and importance of chemical fertilizers in agriculture
06	Pankaj Kumar	Role of ICT in rural development benefits and challenges
07	Jagdish Khusro	छत्तीसगढ की ग्रामीण अर्थव्यवस्था
08	रेवती प्रसाद	छत्तीसगढ़ के ग्रामीण विकास में "सुराजी गावं योजना" का महत्व एवं उपयोगिता
09	Dhananjay Tondan and Balram Sahu	Mushroom production: An approach for rural development
10	श्रीमती आसमा सिंह सिदार एवं डॉ. पापिया चतुर्वेदी	ग्रामीण क्षेत्रों में पढ़ने वाले मनरेगा योजना के प्रबंधन एवं कार्यों की स्थिति (कोरबा जिले के संदर्भ में)
11	Rajib Jana	The role of agriculture to ensuring food security in the Jaipur district of Chhattisgarh state

संगोष्ठी मे भाग लेने वाले प्रतिभागियों ने संगोष्ठी के विषयवस्तु पर अपनी विभिन्न शोध कार्यों को शोध पत्र एवं शोध सार के रूप में प्रस्तुत किया। संगोष्ठी प्रयोजकों (नाबार्ड एवं उच्च शिक्षा विभाग) से प्राप्त आर्थिक सहयोग से महाविद्यालय ने शोध सार को संग्रहित कर महाविद्यालय के हितैषी महानुभावों के शुभकामना संदेशों एवं नाबार्ड के विज्ञापन पत्रक (Advertisement Page) के साथ Souvenir (88 पृष्ठ) के रूप में प्रकाशित कर सभी प्रतिभागियों को (निःशुल्क) संगोष्ठी कीट के साथ प्रदान की गई।

इस एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी में न केवल ग्रामीण विकास से संबंधित शोध पर चर्चा हुई बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों मे कार्यरत् विभिन्न संस्थान और उनके सदस्य भी इस संगोष्ठी में भाग लेकर ग्रामीण विकास मे अपनी योगदान से प्रतिभागियों को अवगत कराया। इस संगोष्ठी मे कृषि सेवा केन्द्र वाड्रफनगर के द्वारा उर्वरक के

Principal
Govt. Degree Collage
Wadrafnagar, Balrampur-(C.G.

उपयोग से होने वाले लाभ एवं हानी के बारे मे महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। इस कृषि सेवा केन्द्र द्वारा संगोष्ठी में प्रदर्शनी भी लगाई गयी। इस संगोष्ठी मे आकाश स्वयं सहायता समूह बसंतपुर (बलरामपुर) के सदस्य श्रीमती सोनमती जी द्वारा मशरूम की खेती पर प्रदर्शनी लगाकर सभी प्रतिभागियों को अवगत कराया। राधा स्वयं सहायता समूह कोटराही, जिला– बलरामपुर (छ0ग0) के सदस्यों ने वर्मी खाद्य उत्पादन का प्रदर्शनी लगाकर लोगों को इसकी जानकारी दी। इसके अलावा माला स्वयं सहायता समूह, कोटराही जिला– बलरामपुर (छ0ग0) के सदस्य श्रीमती सुमित्रा ने धान के भूसे से पत्तल तैयार करने के तरीके, उसके लाभ एवं पुर्नचक्रण पर प्रदर्शनी लगाकर संगोष्ठी मे आये प्रतिभागियों को जानकारी दी।

कार्यक्रम के समापन समारोह मे महाविद्यालय के छात्राओं द्वारा छत्तीसगढ़ के लोक परंपरा एवं ग्रामीण संस्कृति पर आधारित नृत्य प्रस्तुत किया गया तथा अंत में सभी लोगों का धन्यवाद ज्ञापन देते हुए इस कार्यक्रम मे उपस्थित महाविद्यालय के जनभागीदारी अध्यक्ष श्री शिवशंकर यादव तथा सरगुजा संभाग के महाविद्यालयों से आये प्राचार्यगण, सहायक प्राध्यापक, शोधार्थी एवं छात्र–छात्राओं को आभार व्यक्त किया गया।

Principal
Govt. Degree Collage
Wadrafnagar, Balrampur-(C.G.)

सेमिनार उद्घाटन समारोह

सेमिनार मुख्य गेट

Principal
Govt. Degree Collage
Wadrafnagar, Balrampur-(C.G.)

प्रदर्शनी का अवलोकन

प्रो. के.एन भट्ट द्वारा सेमिनार वक्तव्य

Principal
Govt. Degree Collage
Wadrafnagar, Balrampur-(C.G.)

स्व सहायता समूह द्वारा प्रदर्शनी

किसान बीज भण्डार वाड्रफनगर

Principal
Govt. Degree Collage
Wadrafnagar, Balrampur-(C.G.)

सामूहिक फोटो

संक्षेपिका विमोचन

Principal
Govt. Degree Collage
Wadrafnagar, Balrampur-(C.G.)

'गांवों का विकास जरूरी, यहीं बसती है भारत की आत्मा'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

वाड्रफनगर. शासकीय रानी दुर्गावती महाविद्यालय में एक दिवसीय बहु विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन हुआ। इसका केन्द्रीय विषय ग्रामीण विकास वर्तमान परिपेक्ष्य में सम्भावनाएं और चुनौतियां थी। राष्ट्रीय संगोष्ठी में इलाहाबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय प्रयागराज डॉ. पीके घोष, जीबी पंत संस्थान इलाहाबाद विश्वविद्यालय प्रयागराज के प्रोफेसर केएन भट्ट एवं पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर आरके ब्रम्हे मुख्य अतिथि वक्ता के रूप में

उपस्थित रहे। महाविद्यालय के प्राचार्य सुधीर कुमार सिंह द्वारा राष्ट्रीय संगोष्ठी में आये सभी अतिथियों, सहायक प्राध्यापकों, कई राज्यों से आये शोधार्थियों एवं छात्र-छात्राओं का स्वागत किया गया।

संगोष्ठी के प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता प्रोफेसर पीके घोष ने ग्रामीण विकास में सौर ऊर्जा के महत्व के बारे में बड़े ही सारगर्भित तरीके से बताया और कहा सूर्य ही पृथ्वी का अक्षय ऊर्जा स्रोत है। भारत सरकार द्वारा चलाए गए पंचामृत योजना, सोलर चरखा मिशन के लक्ष्य और उद्देश्य के बारे में भी बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे राजीव गांधी पीजी कॉलेज अम्बिकापुर से डॉ. एसएन पाण्डेय ने ग्रामीण संसाधनों के उपयोग तथा शिक्षा से ही सर्वांगीण विकास होने के बारे में बताया और कहा यदि गांव का विकास होगा तभी पूरे भारत देश का विकास सम्भव है।

द्वितीय सत्र के मुख्य वक्ता प्रो. केएन भट्ट ने ग्रामीण विकास में कृषि में मोटे अनाज के महत्व पर प्रकाश डाला। इस संगोष्ठी को डॉ. आरबी सोनवानी, डॉ. रश्मि पाण्डेय, शिवनन्दन शुक्ला ने भी संबोधित किया। प्रोफेसर आरके ब्रम्हे ने कहा कि भारत की आत्मा गांव में बसती है। अन्य वक्ताओं ने भी संगोष्ठी को संबोधित किया। धन्यवाद ज्ञापन जगदीश कुमार खुसरो ने किया। मंच संचालन डॉ. नीरज शुक्ला किया। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में शिवशंकर यादव, रेवती प्रसाद, विनीत गुप्ता, श्याम बिहारी यादव, पंकज कुमार, अशोक एक्का, शिवम पटेल, मैनी प्रसाद ईक्सरिया, कंचन गुप्ता, सुभाषिनी सातपुते, मधु गुप्ता, डीगेश साहू, चंद्रकांत गौतम तथा कई राज्यों के शोधार्थी छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन, कई राज्यों से पहुंचे शोधार्थी

वाड्रफनगर. शासकीय रानी दुर्गावती महाविद्यालय वाड्रफनगर में नाबार्ड व उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्रायोजित एक दिवसीय बहु विषयक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसमें प्राचार्य सुधीर कुमार सिंह ने कहा कि इस सुदूर क्षेत्र में राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन करने से ग्रामीण विकास को एक नई दिशा मिलेगी। संगोष्ठी के प्रथम सत्र के मुख्य वक्ता इलाहबाद केन्द्रीय विश्वविद्यालय के प्रो. पीके घोष ने विकास में सौर ऊर्जा के महत्व के बारे में बताया। प्रथम मुख्य अतिथि और अध्यक्ष को स्मृति व अंग कर प्राचार्य द्वारा सम्मानित किया गया। आरबी सोनवानी ने आदिवासी क्षेत्र की उर्वरता में रागी फसल पैदा करने के लिए सभी लोगों को प्रेरित किया। डॉ. रश्मि पाण्डेय ने शिक्षा को ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण अंग माना। राष्ट्रीय संगोष्ठी में मंच संचालन का कार्य आईक्यूएसी प्रभारी डॉ शुक्ला ने किया। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में महाविद्यालय के जनभागीदारी अध्यक्ष शिव शंकर यादव तथा सरगुजा संभाग के आर प्राचार्य, सहायक प्राध्यापक रेवती प्रसाद, विनीत गुप्त श्याम बिहारी यादव, कंचन गुप्ता, उपस्थित रहे।

बिलासपुर, शनिवार, 4 फरवरी 2023
haribhoomi.com

कार्यक्रम में तनाव मुक्त रहने के बताए गए तरीके

अम्बिकापुर। राजीव गांधी पीजी कॉलेज के मनोविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष डॉ. तृप्ति विश्वास ने हेप्पीनेस क्लब के उद्देश्यों के बारे में बताया। उन्होंने अपने कार्य को पूरे मन से करने की सलाह दी, ताकि हम तनाव को कम किया जा सके। प्राचार्य डॉ. एसएस अग्रवाल ने कहा कि भविष्य एवं भूत की चिंता छोड़कर वर्तमान में रहिए एवं मुस्कुराते हुए मस्त होकर कार्य करिए। हेप्पीनेस क्लब ने महाविद्यालय के सभी चतुर्थ वर्ग कर्मचारियों को आमंत्रित किया गया तथा मुख्य अतिथि चतुर्थ वर्ग कर्मचारी पूरन दास आर्ट ऑफ लिविंग की शिक्षिका श्रीमती ममता तिवारी थी।

डॉ. निशांत कुमार साहू
MBBS, MD (मनोरोग) मद्रास मेडिकल कॉलेज (चेन्नई)
मनोरोग, नशामुक्ति एवं सेक्स रोग विशेषज्ञ
:: उपलब्ध उपचार ::

राष्ट्रीय संगोष्ठी में मोटे अनाजों के महत्व पर चर्चा

हरिभूमि न्यूज ›› वाड्रफनगर

शासकीय रानी दुर्गावती महाविद्यालय में ग्रामीण विकास वर्तमान परिपेक्ष्य में संभावनाएं और चुनौतियां विषय पर डॉ. पी.के घोष, प्रो. के.एन. भट्ट एवं प्रो. आर.के. ब्रम्हे के आतिथ्य में राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी की शुरूआत करते हुए प्राचार्य सुधीर कुमार सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेमिनार से ग्रामीण विकास को नई दिशा मिलेगी एवं क्षेत्र का विकास होगा। मुख्य वक्ता प्रो. घोष ने कहा कि सूर्य पृथ्वी का अक्षय ऊर्जा स्रोत है। उन्होंने सौर ऊर्जा के महत्व तथा उसके लाभ के बारे में बताया। राजीव गांधी पीजी कॉलेज प्राचार्य एस.एन पांडेय ने ग्रामीण संसाधनों के उपयोग तथा सर्वांगीण विकास में शिक्षा के भागीदारी के बारे में बताया तथा गांव का विकास होगा तभी देश का विकास संभव है। प्रो. के.एन भट्ट ने ग्रामीण विकास में मोटे अनाज के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने रागी फसल के उत्पादन, क्षमता, पर्यावरण तथा

उसकी उत्पत्ति के बारे में बताया। शासकीय लरंगसाय पीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आरबी सोनवानी ने क्षेत्र की उर्वरता में रागी फसल पैदा करने के लिए प्रेरित किया। डॉ. रश्मि पांडेय ने शिक्षा को ग्रामीण विकास के लिए आवश्यक बताया। प्रो. आरके ब्रम्हे ने ग्रामीण विकास की प्रमुख योजनाओं के बारे में बताया तथा कहा कि भारत की आत्मा गांवों में बसती है। छत्तीसगढ़ में जल संरक्षण, पशुधन की समृद्धि, गौठान का निर्माण, गोबर से खाद का निर्माण तथा डॉ. पुनीत राय ने ग्रामीण विकास में हिन्दी के साहित्यकारों के योगदान तथा उनकी रचनाओं में ग्रामीण विकास की संभावनाओं पर अपनी बात रखी।

News Paper Report

Principal
Govt. Degree College
Wadrafnagar, Balrampur (C.G.)

Azadi Ka Amrit Mahotsav

NABARD

ONE DAY MULTI-DISCIPLINARY NATIONAL SEMINAR ON

Rural Development : Possibilities and Challenges in the Present Perspectives

SOUVENIR ABSTRACT

29 JANUARY 2023

Sponsored by

Higher Education, Government of Chhattisgarh
NABARD, Chhattisgarh Regional Office

Organized by

Department of Economics & IQAC
GOVT. RANI DURGAWATI COLLEGE
Wadrafnagar, Dist.- Balrampur (C.G.)

Souvenir Front Page

Principal
Govt. Degree College
Wadrafnagar, Balrampur-(C.G.